TheSimpleHelp.com

विज्ञान वरदान या अभिशाप पर निबंध (150 शब्द)

दिन प्रतिदिन विज्ञान की टेक्नोलॉजी बढ़ती जा रही है, जिसकी वजह से मनुष्य को हजारों सुख सुविधाएं मिल रही है। लेकिन दूसरी तरफ विज्ञान की वजह से मनुष्य सभ्यता का नाश हो रहा है, जिसकी वजह से मनुष्य का जीवन विनाश की ओर जा रहा है और मनुष्य जाति को नाभिकीय यंत्रों से खतरा पैदा हो रहा है।

यदि हम विज्ञान के फायदे और नुकसान की बात करें तो जितने विज्ञान के फायदे मिलेंगे, उतने ही आपको नुकसान भी मिल जाएंगे। विज्ञान के द्वारा बनाए गए परमाणु बंब, जिसे मनुष्य शक्ति के तौर पर मानता है। लेकिन इसका दूसरी तरफ गलत उपयोग जापान के हिरोशिमा और नागासाकी जैसे उदाहरण के रूप में उभरता है।

विज्ञान के हजारों सुविधाएं और वरदान है। विज्ञान की वजह से ही यह हजारों सुख सुविधाएं संभव हुई है। मनुष्य को अंधकार से जीत दिलाने का काम विज्ञान का ही है। विज्ञान की वजह से ही विद्युत का आविष्कार हुआ है और हजारों उपकरण का आविष्कार हुआ है। विज्ञान ने ही इतनी सारी टेक्नोलॉजी को बढ़ाया है लेकिन दूसरी तरफ उन सभी का नुकसान भी है।

विज्ञान वरदान या अभिशाप पर निबंध (200 शब्द)

आज का युग विज्ञान का युग कहलाता है और विज्ञान के द्वारा दिन प्रतिदिन की जाने वाली टेक्नोलॉजी मनुष्य को और अधिक सुविधाजनक बना रही है। लेकिन इस सुविधा के साथ-साथ मनुष्य को कई प्रकार की समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है।

जिस विज्ञान की वजह से आज इतने मोटर और वाहन संपन्न हुए हैं, उनका सदुपयोग बहुत है। कई घंटों चलने पर व्यक्ति जहां पहुंचता था, वह आज के समय में मिनटों में पहुंच सकता है। लेकिन उन वाहनों की वजह से होने वाला प्रदूषण दिन प्रतिदिन मनुष्य के लिए खतरनाक साबित हो रहा है और मनुष्य को कई परेशानियां इसकी वजह से उठानी पड़ रही है।

पुराने इतिहास को यदि खंगाला जाए तो मनुष्य जानवरों की तरह रहता था। लेकिन आज की मनुष्य की लाइफ स्टाइल पूरी तरह से बदल गई है, इसके पीछे विज्ञान का ही हाथ है। विज्ञान दिन प्रतिदिन आधुनिक युग को बढ़ा रहा है। विज्ञान के कारण मनुष्य की पूरी जिंदगी बदल चुकी है।

पुराने जमाने में लोग एक जगह से दूसरी जगह अपने मन के विचार किसी के सामने व्यक्त करने के लिए खत और लेटर का प्रयोग करते थे, जिसे पहुंचने में 10 से 15 दिन लगते थे। लेकिन संचार के क्षेत्र में विज्ञान की तरक्की ने सबके हाथ में एक स्मार्टफोन पकड़ा दिया है, जिसके जरिए व्यक्ति अपनी बात एक सैकेंड में किसी दूसरे के सामने बयां कर सकता है और उसे फेस टू फेस वीडियो कॉल के जरिए देख भी सकता है।

लेकिन दूसरी तरफ ही संचार के साधन के विकास से आकाश में तरंगों की संख्या में वृद्धि हुई और इन तरंगों ने मधुमक्खी और पक्षियों के जीवन को खतरे में डाल दिया है।

विज्ञान वरदान या अभिशाप पर निबंध (250 शब्द)

आज के युग को विज्ञान का युग कहा जाता है। वर्तमान समय में वैज्ञानिक युग की वजह से मनुष्य का जीवन बहुत ही अधिक प्रभावित हुआ है। वैज्ञानिक युग की वजह से आज के समय में इतनी टेक्नोलॉजी और सुख सुविधाएं संपन्न हो पाई है। चाहे वह संचार के माध्यम में देखी जाए या यातायात के रूप में देखी जाए।

वर्तमान में विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि हर प्रकार के निर्माण को संभव बना लिया है। आसमान में कई ऊंचाइयां और पाताल में हजारों किलोमीटर की गहराइयों को नापना संभव हो गया है।

इतिहास गवाह है, मनुष्य पहले जानवरों की तरह रहता था। लेकिन विज्ञान की वजह से मनुष्य का जीवन आज चकाचौंध से संपूर्ण है। विज्ञान की वजह से ही मनुष्य दिन प्रतिदिन आधुनिक युग में बढ़ रहा है। विज्ञान की वजह से मनुष्य का जीवन पूरी तरह से बदल गया है और इसी वजह से विज्ञान मनुष्य के लिए वरदान के रूप में सामने आया है।

लेकिन दूसरी तरफ विज्ञान के कुछ नुकसान भी है। जैसे विज्ञान के माध्यम से जो टेक्नोलॉजी बढ़ रही है। उस टेक्नोलॉजी से देश में प्रदूषण बढ़ रहा है। जो मनुष्य जीवन के लिए अभिशाप के रूप में सामने आया है। विज्ञान का अर्थ विशिष्ट ज्ञान होता है, जो हर विषय से संबंधित व्यवस्थित ज्ञान एकत्रित करके उस विषय के बारे में छानबीन का कार्य विज्ञान के माध्यम से किया जाता है।

मनुष्य का जीवन आज बेहद दुख के साथ गुजर रहा है, इसके पीछे विज्ञान का हाथ है। विज्ञान की वजह से ही आज मनुष्य सुखमय जीवन व्यतीत कर रहा है।

विज्ञान वरदान या अभिशाप निबंध (300 शब्द)

प्रस्तावना

आज के समय में जिस टेक्नोलॉजी का उपयोग हम अपने दिनचर्या में मुख्य रूप से कर रहे हैं, उसके पीछे विज्ञान का ही हाथ है। विज्ञान के जरिए ही यह सारी टेक्नोलॉजी और संपूर्ण खोजें संभव हुई है।

विज्ञान क्या है?

विज्ञान का अर्थ विशिष्ट ज्ञान होता है। हर वस्तु और हर चीज के बारे में व्यवस्थित और विशेष प्रकार का ज्ञान ही विज्ञान कहलाता है।

दूसरे शब्दों में प्रकृति में उपस्थित भक्तों की क्रमबद्ध अध्ययन से प्राप्त ज्ञान को विज्ञान कहते हैं। विज्ञान के आधार पर वस्तु की प्रकृति और व्यवहार का पता लगाया जाता है और उसके गुणों की पहचान की जाती है।

विज्ञान की वजह से ही मनुष्य का विकास हुआ है। मनुष्य का पुराना जीवन बिल्कुल अलग था और विज्ञान की वजह से आज का मनुष्य का जीवन चकाचौंध से भरा हुआ है। हर सुख-सुविधा मनुष्य के पास है।

विज्ञान ने पूरे संसार को एक जगह से दूसरी जगह तक जोड़ दिया है। देश के हर कोने में विज्ञान के उपकरण आपको मिल जाएंगे, इससे यह साबित होता है कि विज्ञान ने अपने दम पर पूरे संसार को अपने काबू में ला दिया है।

विज्ञान के फायदे

- मनुष्य को आधुनिक युग में लाने का मुख्य काम विज्ञान के द्वारा ही किया गया। विज्ञान की वजह से ही मनुष्य आज आधुनिक युग में जी रहा है।
- विज्ञान की वजह से बिजली और बिजली पर चलने वाले सभी उपकरण का निर्माण संभव हुआ है।

- विज्ञान की वजह से संचार के साधन का निर्माण हुआ, जिसकी वजह से आज व्यक्ति संसार के किसी भी कोने में बैठ व्यक्ति से 1 मिनट में बात कर सकता है और वीडियो कॉल के जरिए उसे देख भी सकता है।
- कृषि के क्षेत्र में भी विज्ञान की वजह से ही आधुनिकीकरण देखने को मिल रहा है। पहले बेल से हल जोतने का काम किया जाता था और उसमें लंबा समय लगता था। ट्रैक्टर के विकास के जरिए इन सभी कार्यों को सरल बना दिया गया है। खेती के कार्य के लिए हजारों उपकरण का निर्माण हो चुका है, जो खेती को बिल्कुल आसान बना चुके हैं।

विज्ञान वरदान है या अभिशाप पर निबंध (500 शब्द)

प्रस्तावना

पूरे संसार को बदलने का काम विज्ञान ने किया है। पुराने जमाने में मनुष्य बहुत ही अलग तरीके से यानी कि पशुओं की तरह जीवन यापन करता था। जंगलों में रहता था और फल फ्रूट और मांस खाकर अपना जीवन यापन करता था लेकिन आज के समय में मनुष्य का लाइफस्टाइल विज्ञान ने पूरी तरह से बदल दिया है।

विज्ञान की वजह से मनुष्य की जिंदगी में चार चांद लग गए हैं। विज्ञान ने ही मनुष्य को इतना डिजिटल और आधुनिक बना दिया है। अब हम विज्ञान वरदान है या अभिशाप इसके बारे में हम आपको जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

विज्ञान की खोज कब और किसने की?

विज्ञान की खोज एक रहस्यमई खोज के रूप में साबित हुई है। विज्ञान की खोज 16वी और 17वीं शताब्दी के मध्य शुरू हुई। 19वीं शताब्दी में पहली बार वैज्ञानिक शब्द का प्रयोग विलियम रोवेल द्वारा 1883 में किया गया। उसके पश्चात जो लोग प्रकृति पर जांच और रिसर्च करते थे, उन्हें प्राकृतिक दार्शनिक के नाम से पुकारा जाता था।

विज्ञान का जनक गैलीलियो गैलीली को कहा जाता है। विज्ञान शब्द की उत्पत्ति ज्ञान शब्द से हुई, जहां भी उपसर्ग लगाने से विज्ञान शब्द का निर्माण हुआ। विज्ञान का अर्थ विशिष्ट ज्ञान है।

विज्ञान के बारे

जब से विज्ञान की खोज हुई है तब से नई नई टेक्नॉलजी और नए-नए आविष्कार दिन प्रतिदिन देखने को मिल रहे हैं। विज्ञान के जरिए हर चीज को विशिष्ट और व्यवस्थित रूप से स्पष्ट किया जा रहा है, जिससे नई टेक्नोलॉजी के आविष्कार हो रहे हैं और नए उपकरण बन कर तैयार हो रहे हैं। विज्ञान ने ही आज तकलीफ मनुष्य को अंतरिक्ष तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विज्ञान की विशेषताएं

- विज्ञान की वजह से हजारों उपकरण बने हैं, जिनका उपयोग आज के समय हम अपने दिनचर्या में कर रहे हैं।
- विज्ञान के कारण कृषि क्षेत्र में ट्रैक्टर, थ्रेसर, कंपाइन, हेकर ऐसी मशीनों का निर्माण हुआ है और इसी वजह से हम इनका प्रयोग करके कृषि कार्य को आसान बना रहे हैं।
- वाशिंग, मशीन, फ्रिज, कूलर व आयरन जैसी मशीनों का प्रयोग हम सामान्य जीवन में कर रहे हैं। इनका निर्माण भी विज्ञान की वजह से ही हुआ है।
- हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज का निर्माण भी विज्ञान की वजह से हुआ है।
- मोबाइल और स्मार्टफोन के साथ-साथ कंप्यूटर और लैपटॉप का निर्माण भी विज्ञान की वजह से ही हुआ है।
- परमाणु बम जैसे आविष्कार भी विज्ञान की वजह से ही संभव हुए हैं।
- जिन गाड़ियों पर बैठकर हम 10 मिनट में कहां से कहां पहुंच सकते हैं। इसका विकास भी विज्ञान की वजह से संभव हुआ है।
- विज्ञान ने मनुष्य की जिंदगी को पूरी तरह से बदल दिया है।

विज्ञान के नुकसान और अभिशाप

आज के समय में जितने फायदे विज्ञान के द्वारा हमें मिल रहे हैं, उसके नुकसान भी हमें मिल रहे हैं। विज्ञान के अभिशाप कुछ इस प्रकार से है:

- जन संचार साधन का प्रयोग करके हम दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से बात कर रहे हैं। यही संचार के साधन से निकलने वाली तरंगें मधुमक्खियों और पक्षियों के जीवन को खतरे में डाल रही है।

- वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण बढा रहा है और प्रदूषण से ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या पैदा हो रही है, जिससे मनुष्य का जीवन पूरी तरह से संकट में है।
- यह विज्ञान जिसकी वजह से जो परमाणु बम का निर्माण हुआ है, उसका अगर गलत उपयोग हो गया तो मनुष्य जाति का विनाश हो जाएगा। इसका सीधा-साधा उदाहरण जापान के हिरोशिमा और नागासाकी है।

उपसंहार

विज्ञान से हो रही तरक्की मनुष्य के जीवन को आगे बढ़ा रही है। लेकिन दूसरी तरफ इसके कई नुकसान भी है। अतः मनुष्य का जीवन विज्ञान ने जितना सुख और समृद्धि बनाया है। उतना ही मनुष्य के जीवन को विज्ञान ने संकट में डाला है।

इसीलिए कहा जाता है कि विज्ञान की वजह से जितना फायदा मिल रहा है। उतना आपको नुकसान भी हो रहा है। मानव प्रजाति के लिए विज्ञान वरदान के साथ-साथ अभिशाप भी है।

विज्ञान वरदान या अभिशाप पर निबंध (1200 शब्द)

प्रस्तावना

आज का युग विज्ञान का युग हैं। आज के वैज्ञानिक युग में मनुष्य के जिले में बहुत ही ज्यादा प्रभाव उत्पन्न की हैं। आज मनुष्य के जीवन में जितनी भी गतिविधियां हो रही हैं, वह सभी विज्ञान की वजह से ही संभव हैं। आज के समय में पुराने रहस्य को भी खोज ले गया हैं। वर्तमान में विज्ञान की वजह से आकाश की ऊंचाइयों से लेकर पाताल की गहराइयों को नापा जा सकता हैं।

मनुष्य ने जो भी प्रगति की हैं, उसका इतिहास साक्षी हैं। मानव कभी जानवर की तरह गुफाओं में अपने दिन व्यतीत करता था। कच्चा मांस खाता था और फल खाता था। पौधों की पत्तियों और छालों को वस्त्र की तरह पहनता था।

धीरे-धीरे उसने आग जलाना सीखा और वह निरंतर आगे बढ़ता रहा और वर्तमान में बहुत ज्यादा आगे बढ़ गया हैं। विज्ञान की वजह से यह मनुष्य के जीवन बहुत ज्यादा बन गया हैं। वह आसमान की ऊंचाइयों को छू रहा हैं। विज्ञान वरदान या अभिशाप दोनों के रूप में प्रस्तुत हुआ हैं।

विज्ञान का अर्थ

विज्ञान का अर्थ होता हैं विशिष्ट ज्ञान। किसी विषय वस्तु के बारे में विशेष और व्यवस्थित ज्ञान विज्ञान हैं। जब किसी के पास विशेष ध्यान होता है तभी वह विशेष कार्य कर पाता हैं। विज्ञान शब्द और दर्शन का शास्त्र हैं। वर्तमान के जितने भी अविष्कार तथा खोजे है वह विज्ञान के कारण हैं।

हम देख सकते हैं कि हमारे आसपास की प्रत्येक वस्तु जिनका उपयोग हम करते हैं, वह सब विज्ञान का ही अविष्कार हैं। आज जिस मनुष्य के पास विज्ञान हैं, उसका जीवन सभ्य हैं। जिसके पास विज्ञान नहीं उसका जीवन निर्रथक हैं।

विज्ञान ने अपने बल पर पूरे संसार को एक परिवार बना दिया हैं। आज के समय मे कोई भी जगह ऐसी नहीं जहां विज्ञान के उपकरण मौजूद न हो।

विज्ञान के लाभ

आज मनुष्य के जीवन विज्ञान की वजह से ही सुखमय हो गया हैं। आज के समय में विज्ञान मनुष्य के जीवन से जुड़ गया हैं। विज्ञान के बिना मनुष्य अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता हैं। विज्ञान ने मनुष्य के जीवन को सहज बनाने के लिए बहुत सारे आविष्कार किये हैं। जैसे खेती को सरल बनाने के लिए हैकर, ट्रेकटर, कम्पाईन जैसी मशीने घरेलू कामों को सरल बनाने के लिए प्रेस, फ्रिज, जैसी मशीनों का अविष्कार किया गया हैं।

आविष्कारो की वजह से ही आजकल मरने वालों की संख्या में कमी आ रही हैं। विभिन्न प्रकार की बीमारियों के हल खोज लिए गए हैं। आज के समय में दुश्मनों से अपने रक्षा करने के लिए बहुत सारे उपकरणों का निर्माण कर दिया गया हैं। आज के वैज्ञानिक युग में छोटी सी सुई से लेकर बड़े से बड़े अस्त्र-शस्त्र भी विज्ञान के वजह से ही बनाया जा सके हैं। इन सब का उपयोग हम प्रत्यक्ष या परोक्ष कर सकते हैं।

विज्ञान का प्रयोग

विज्ञान का प्रयोग वर्तमान में हर क्षेत्र में किए जा रहा हैं। आज कोई ऐसा क्षेत्र नहीं जहां पर विज्ञान का उपयोग नहीं किया जा रहा। मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र में विज्ञान एक वरदान की तरह साबित हुआ हैं।

संचार के क्षेत्र में

विज्ञान की वजह से ही टेलीविजन, रेडियो, फोन इत्यादि चीजों का आविष्कार किया जा सका हैं। विज्ञान ने संचार की सहायता से सबको एक परिवार के रूप में जोड़ दिया हैं। जहां एक स्थान से दूसरे स्थान पर बैठे व्यक्ति को हम आसानी से फोन के द्वारा देख सकते हैं।

एक दूसरे से बात कर सकते हैं। एक दूसरे को सामान आदि का आदान-प्रदान कर सकते हैं और यह सब विज्ञान की वजह से संभव हुआ हैं।

यातायात के क्षेत्र में

वर्तमान हम घर बैठे हुए ट्रेन, बस इत्यादि के टिकट आसानी से फोन पर बैठे बुक करवा सकते हैं। यह सब विज्ञान की वजह से ही संभव हो पाया हैं। विज्ञान की वजह से ही वर्तमान में इतने सारे यातायात संचार साधनों का भी निर्माण तथा विकास हो पाया हैं, जिसके कारण हम लंबी दूरी को कुछ ही पलों और घंटों में तय करके एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। इससे समय तथा धन दोनों की बचत हुई हैं।

दैनिक जीवन में

विज्ञान की वजह से ही मनुष्य का दैनिक जीवन बहुत ही ज्यादा सरल हुआ हैं। वर्तमान में मनुष्य हर काम के लिए जो भी वस्तुओं का उपयोग करता हैं, वह सब विज्ञान के ही अविष्कार हैं। जैसे कि वाशिंग मशीन, फोन, प्रेस आदि का उपयोग करके मनुष्य अपने दैनिक जीवन के कार्य बहुत आसानी से और जल्दी कर सकता हैं।

औषधि के क्षेत्र में

जिस तरह से विज्ञान ने मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति की हैं, उसी तरह नई-नई बीमारियां भी उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान में मनुष्य भयंकर संक्रामक रोगों से ग्रसित हैं। परंतु इन सब का भी इलाज संभव हैं, वह सिर्फ विज्ञान की वजह से।

औद्योगिक क्षेत्र में

औद्योगिक क्षेत्र में विज्ञान में बहुत ज्यादा विकास किया हैं। इसके कारण ही बड़ी-बड़ी मशीनों का आविष्कार किया जा सका हैं। उनके कारण ही उद्योग व कल कारखानों का विकास हुआ हैं। जिससे समय, धन आदि की बचत हुई हैं। लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ हैं। विज्ञान की वजह से ही कार्य आसानी और सरलता से किए जा सकते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में

शिक्षा के क्षेत्र में भी विज्ञान का बहुत बड़ा योगदान हैं। इसके कारण कंप्यूटर, लैपटॉप जैसे उपकरणों का निर्माण हुआ हैं। जिससे हम शिक्षा से संबंधित सभी जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं और आसानी से उस पर अपना कार्य कर सकते हैं।

विज्ञान की हानियां/अभिषाप

विज्ञान ने जहां हमें बहुत सारे लाभ प्रदान किये हैं। वहीं इससे बहुत ज्यादा हनिया भी हुई हैं। विज्ञान ने मनुष्य के जीवन को जितना सरल बनाया हैं, उतना ही जटिल भी बनाए हैं। जैसे बंदूक, परमाणु बम, जहरीली गैस आदि के प्रयोग मनुष्य का जीवन दुश्वार हुआ हैं।

मनुष्य को अपने भविष्य के प्रति विज्ञान ने चिंतित कर दिया हैं। वर्तमान में विश्व की सभी शक्तियों ने आइटम बम आदि का निर्माण कर रखा हैं, जिससे कि हर वक्त भय का वातावरण बना रहता हैं। इनकी वजह से प्रदूषण बठा हैं।

निष्कर्ष

प्राचीन समय में लोग अपना जीवन जिस प्रकार से व्यतीत कर रहे थे, उससे कई बेहतर जीवन वर्तमान समय में लोग अपना गुजार रहे हैं। विज्ञान की वजह से ही यह टेक्नोलॉजी और विकास संभव हुआ है। लेकिन इसका कई प्रकार के दुष्प्रभाव भी है। विज्ञान के माध्यम से बढ़ती टेक्नोलॉजी की वजह से कई बीमारियां और प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

विज्ञान वरदान या अभिशाप दोनों हैं। विज्ञान का सही उपयोग किया जाता हैं तो इससे हमारे जीवन बहुत ही सरल बन सकता हैं और यदि इसका दुरुपयोग किया जाए तो हमारा जीवन दुश्वार हो सकता हैं और संपूर्ण विश्व पृथ्वी जगत को इससे खतरा उत्पन्न हो सकता हैं।

विज्ञान वरदान या अभिशाप हमारे द्वारा प्रयोग किए जाने पर निर्भर करता हैं। यदि हम उसका उचित उपयोग करेंगे तो ये हमारे लिए वरदान हैं। यदि हम उसका दुरुपयोग करेंगे तो हमारे अभिशाप बन जाएगा।

SOURCE: TheSimpleHelp.com